3000 पेड़ों की जड़ों तक पानी देने के लिए ग्रास पेपर वर्क होगा

मुख्य सड़कों और फुटपाथ पर आ रहे पेड़ों को संजीवनी देने वाले इस प्रोजेक्ट पर जेडीए 87 लाख रुपये खर्च करेगा

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर की मुख्य सड़कों और फुटपाथ पर आ रहे करीब 3 हजार पेड़ों के चारों तरफ डामर रोड व टाइल्स हटाकर ग्रास पेवर वर्क कराया जायेगा, ताकि इन पेड़ों की जड़ तक पानी पहुंच सके। जेएलएन मार्ग, टोंक रोड और पृथ्वीराज मार्ग पर करीब 650 पेड़ों के चारों तरफ के स्थान को सही करते हुए ग्रास पेवर का काम मई तक पूरा किया जायेगा।

जेडीसी गौरव गोयल ने बताया कि आमतौर पर

- **जेएलएन मार्ग, टोंक रोड और पृथ्वीराज मार्ग पर करीब 650 पेड़ों पर यह कार्य मई तक होगा**

देखने को मिल रहा है कि मुख्य सड़कों पर लगे हरे-भरे पेड़ धराशायी हो जाते है, कारण है कि सड़क बनाने के दौरान इनकी जड़ों तक पानी पहुंचने के लिए जगह नहीं छोड़ी जाती। अब इस प्रोजेक्ट में पेड़ के चारों ओर लगी डामर और टाइलों को हटाकर यहां पत्थरी डिजाइन में जगह छोड़ी जायेगी, जिसमें पेड़ों की जड़ों तक पानी पहुंचने की जगह होगी। जेडीए प्रशासन ने शहर में कुछ जगहों पर ऐसा कार्य करके भी देखा है। गोयल ने बताया कि विद्याधर नगर में सेक्टर-1 में जे.के.जे. चौराहे से काली माता चौराहे तक मुख्य सड़क के डामरीकरण और विकास कार्यों के लिए 88.42 लाख रूपये स्वीकृत किये है। विद्याधर नगर में ही सड़कों के सिविल रिपेयर पर 96.91 लाख रूपये खर्च किये जाएंगे।

एसआई भर्ती में नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने उपनिरीक्षक प्लाटून कमांडर सीधी भर्ती 2019 के खेल कोटे में पात्र होने के बावजूद भी नियुक्ति नहीं देने पर गृह सचिव, डीजीपी भर्ती और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भर्ती बोर्ड से जवाब मांगा है। जस्टिस महेंद्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश जग दातार सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि विभाग ने 23 दिसंबर 2019 को एसआई भर्ती के लिए खेल कोटे में आवेदन मांगे। याचिकाकर्ता वॉलीबॉल का नेशनल लेवल का खिलाड़ी है और उसने नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक भी जीता है। इसके अलावा भर्ती की लिखित परीक्षा पास करने के बाद विभाग की ओर से ली गई खेल परीक्षा में भी उसने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। इसके बावजूद विभाग ने उसका चयन नहीं किया। याचिका में यह भी कहा गया की विभाग ने याचिकाकर्ता से कम पदक विजेता और खेल परीक्षा में निम्न स्तर का प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थी का चयन कर लिया। विभाग की ओर से गत 25 जनवरी को जारी अस्थायी चयन सूची में याचिकाकर्ता को शामिल नहीं किया। याचिका में गुहार की गई है कि खेल प्रतियोगिता की वीडियोग्राफी मंगाकर फैसला किया जाए।

8 घंटे तक सचिवालय के अंदर कैद रहे कुलपति प्रो. राजीव जैन

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने गेट पर ताला लगाकर बाहर धरना दिया, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई

जयपुर । यूजी और पीजी का सिलेबस कम किए जाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को एनएसयूआई ने ना केवल राजस्थान विवि. में प्रदर्शन किया, बल्कि उन्होंने कुलपति सचिवालय पर ताला लगा दिया। इसके कारण कुलपति प्रो. राजीव जैन 8 घंटे तक अंदर कैद होकर रह गए।

कुलपति सचिवालय पर ताला लगाने के बाद कार्यकर्ता सचिवालय के बाहर धरने पर बैठ गए, उनका कहना

- **स्नातक-स्नातकोत्तर में पाठ्यक्रम कम करने की मांग**

था कि जब तक कुलपति उनसे नहीं मिलेंगे, तब तक न तो ताला खुलेगा और ना ही कार्यकर्ता अपना धरना समाप्त करेंगे। दिन भर चले इस हंगामे के चलते कुलपति तकरीबन आठ घंटे तक कुलपति सचिवालय से बाहर नहीं निकल सके। शाम को जब उन्होंने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को वार्ता के लिए बुलाया तब जाकर ताला खुल पाया। इससे पूर्व मौके पर पहुंची पुलिस ने भी ताला खुलवाने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता टस से मस नहीं हुए।

इससे पूर्व एनएसयूआई के विवि ईकाई अध्यक्ष अमरदीप के नेतृत्व में कार्यकर्ता विवि. के मुख्यद्वार पर एकत्र हुआ और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान मौके पर तैनात पुलिस के साथ उनकी जमकर धक्कामुक्की भी हुई। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना था कि पूरे सत्र के दौरान विवि में ना तो नियमित रूप से कक्षाएं लगी और ना ही ऑनलाइन क्लास लगाई गई जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हुई है। ऐसे में विवि प्रशासन को यूजी और पीजी का सिलेबस 50 फीसदी कम करना चाहिए। उन्होंने राजस्थान विवि के ऑनर्स विषय में भी पासकोर्स के समान ड्यू पेपर का ऑप्शन रखने की मांग की जिससे छात्रों का साल खराब ना हो। उनका कहना था कि जिन विद्यार्थियों को सैकेंड ईयर से थर्ड ईयर में एडमिशन दिया गया था उनमें 30 फीसदी विद्यार्थी ऐसे हैं जो किसी ना किसी पेपर में सैकेंड ईयर में फेल हो गए हैं ऐसे विद्यार्थियों के पेपर को ड्यू रखकर उन्हें थर्ड ईयर के परीक्षा के साथ यह पेपर दिलवाया जाए या फिर उनकी फीस वापस की जाए क्योंकि थर्ड ईयर में उन्हें एडमिशन देने के साथ ही विवि प्रशासन ने उनकी थर्ड ईयर की फीस भी ली है। अपनी इन्हीं मांगों को लेकर मंगलवार को एनएसयूआई कार्यकर्ता एक बार फिर राजस्थान विवि के मुख्यद्वार पर जुटे और प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को राजस्थान विवि. में कुलपति सचिवालय पर ताला जड़कर बाहर विरोध जताया।

15वीं विधानसभा का सप्तम सत्र आज से

जयपुर । 15वीं राजस्थान विधानसभा का सप्तम सत्र बुधवार 9 फरवरी को प्रात: 11 बजे आहूत होगा। कोविड-19 से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियों को ध्यान में रखते हुए विधान सभा में पुख्ता व्यवस्थाएं की गई हैं। विधान सभा सत्र के दौरान दर्शक, विशिष्ट और अध्यक्ष दीर्घा के लिए प्रवेश पत्र नहीं बनाये जायेंगे।

राजस्थान विधान सभा के सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि प्रवेश द्वारों पर हाथ धोने और सेनेटाइज किये जाने वाली मशीनें पर्याप्त संख्या में लगाई गई है। उन्होनें बताया कि करोना से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सभी सावधानियों को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा सत्र के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। विधानसभा में संचालित एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सालयों में चिकित्सकों और औषधियों की व्यवस्था कोविड-19 के दृष्टिगत पर्याप्त की गई है। मंगलवार को विधान सभा में अधिकारियों ने राज्यपाल के आगमन, सदन में प्रोसेसन में ले जाने और प्रस्थान की व्यवस्थाओं का रिहर्सल किया। विधानसभा परिसर में सप्तम

- **दर्शक, विशिष्ट और अध्यक्ष दीर्घा के लिए नहीं बनेंगे प्रवेश पत्र**
- **सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रवेश द्वारों पर फ्लेप बैरियर लगाये**

सत्र के लिए जारी वाहन प्रवेश पत्र लगे वाहनों का ही प्रवेश होगा। अधिकारियों के वाहनों का आवागमन विधानसभा के गेट संख्या 5 और 6 से होगा। पत्रकारों के दोपहिये वाहनों का प्रवेश भवन के उत्तरी द्वार गेट न. 1 से और चार पहिये वाहन का प्रवेश गेट न. 6 से होगा, जिनकी पार्किंग पूर्व की भांति पूर्वी एवं दक्षिणी कोने में बनाये गये पार्किंग स्थल पर होगा। विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए भवन के प्रवेश द्वारों पर एम्सस कन्ट्रोल के लिए फ्लेप बैरियर स्थापित किये गए है। विधानसभा भवन में प्रवेश करते व निकलते समय स्मार्ट कार्ड को फ्लेप बैरियर को खोलने पर ही आवागमन हो सकेगा।

रीट पेपर लीक मामले की सुनवाई 28 तक टली

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रीट भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 28 फरवरी तक टाल दी है।

महाधिवक्ता एमएस सिंघवी ने जस्टिस महेन्द्र गोयल के समक्ष कहा कि रीट भर्ती के लेवल-दो के लिए आयोजित की गई परीक्षा को रद्द कर दिया है। ऐसे में याचिकाएं सारहीन हो गई हैं, इसलिए याचिकाओं को खारिज किया जाए। जिसके जवाब में याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता अधिवक्ता आरपी सैनी व दिनेश गर्ग ने कहा कि मामले में पूरी रीट 2021 को ही रद्द करने और मामले की सीबीआई जांच करवाए जाने का आग्रह किया है। इसलिए मामले में सीबीआई जांच पूरी नहीं होने तक किसी को भी नियुक्ति नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर मामले की सुनवाई 28 फरवरी को तय की। याचिकाओं में कहा है कि राज्य सरकार की जांच एजेंसी एसओजी खुद ही मान चुकी है कि पेपर शिक्षा संकुल से चोरी हुआ था और उसे करोड़ों रुपये में बेचा गया था तो ऐसे में भर्ती परीक्षा को रद्द कर मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए।

लघु व मझौले समाचारपत्रों की समस्याओं पर चर्चा

जयपुर/कानपुर। लघु एवं मझौले वर्ग के समाचारपत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले "एसोसियेशन ऑफ स्मॉल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया" की राष्ट्रीय परिषद् की मीटिंग वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चन्दोला ने की। बैठक में देश के कई राज्यों से पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। उन्होंने लघु और मझौले समाचारपत्रों की समस्याएं बताई। साथ ही डीएवीपी विज्ञापन पॉलिसी-2020 की खामियों को बताया और दूर करवाने की मांग रखी गई।

इतना ही नहीं डीएवीपी (बी.ओ.सी.) की विभागीय कार्यशैली के प्रति नाराजगी जाहिर की गई और कहा कि बी.ओ. सी. की कार्यशैली से लघु एवं मझोले वर्ग के समाचार पत्रों की विकासदर प्रभावित हो रही है। पदाधिकारियों का कहना था कि लघु और मझौले समाचारपत्रों को बी.ओ.सी. द्वारा नियम-कायदों के नाम पर बहुत परेशान किया जा रहा है, जो कि निन्दनीय है। समस्याओं को सुन राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चन्दोला ने

- **डी.ए.वी.पी. की विज्ञापन नीति-2020 की खामियों को दूर करने की मांग रखी**

आश्वासन दिया कि समाचारपत्रों की समस्याओं से सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय, भारत सरकार एवं डीएवीपी (बी.ओ.सी.) को अवगत कराया जायेगा और उनका उचित हल निकालने की बात रखी जायेगी।

वर्चुअल मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव दत्त चन्दोला, उप्र से श्याम सिंह पंवार, डी.के. मैथानी, महाराष्ट्र से अप्पा साहिब पाटिल, गोरख तावरे, प्रदीप कुलकर्णी, चन्द्र शेखर गायकवाड़, प्रवीण पाटिल, शोभा जयपुरकर, राजस्थान से डॉ. अनन्त शर्मा, उत्तराखंड से निशा रस्तोगी, आन्ध्र प्रदेश से एम. मौलिकुमार, कोंडलराव सेंडीरेड्डी, कर्नाटक से विद्याधर, पश्चिम बंगाल से नारायण चटर्जी, गुजरात से शंकर एम. कतीरा, कर्नाटक से तारिका बेल्कर, विद्याधर, असम से किरि रांगहेंग, गिरिन्द्र कुमार, राजू धनराजानी शामिल हुए।

लोहा और इस्पात निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग की संभावना देखें : राम चंद्र प्रसाद सिंह

जयपुर । केंद्रीय इस्पात मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह ने आज नई दिल्ली में लोहा और इस्पात के निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग की संभावना तलाशने के लिए इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य और भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन के निदेशक अंशुमन त्रिपाठी के साथ एक बैठक बुलाई। प्लास्टिक कचरे का उपयोग और निपटान एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दा है और इसे संबोधित करने की आवश्यकता है। कुछ देश इस कचरे का उपयोग लोहा और इस्पात उद्योग में कर रहे हैं। कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस और इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस जैसे क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे के उपयोग की उपयुक्तता और इसके लाभ तथा हानियों पर चर्चा की गई। इस्पात उद्योग द्वारा वर्तमान में प्रचलित प्लास्टिक कचरे के उपयोग की मात्रा, इसके पृथक्करण सहित पूर्व-उपचार प्रक्रिया, तकनीकी-अर्थशास्त्र और इस्पात निर्माण प्रक्रियाओं आदि में इसके उपयोग पर उत्सर्जन और प्रभाव आदि पर भी चर्चा की गई। इस्पात मंत्री ने सचिव (इस्पात) संजय कुमार सिंह को गृह मंत्रालय व पर्यावरण वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया। मंत्री ने निर्देश दिये कि इस्पात क्षेत्र द्वारा प्लास्टिक कचरे के उपयोग के लिए एक महीने के भीतर एसआरटीएमआई से एक कार्य योजना तैयार करें।

मासूम से रेप और मर्डर केस के अभियुक्त की सजा पर फैसला कल

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष कोर्ट में मंगलवार को नरैना थाना इलाके में 11 अगस्त 2021 को चार साल की मासूम से रेप व मर्डर के अभियुक्त सुरेश की सजा के बिन्दु पर बहस पूरी हो गई। अदालत मामले में 10 फरवरी को सजा का ऐलान करेगी।

सजा के बिन्दु पर अभियुक्त की ओर से कहा कि वह शादीशुदा है और जल्द ही पिता बनने वाला है। इसके अलावा परिवार में उसकी मां है। यदि उसे फांसी की सजा दी गई तो उसका परिवार तबाह हो जाएगा। उससे जीवन में पहला अपराध हुआ है। इसलिए उसके प्रति नरमी रखी जाए। वहीं अभियोजन पक्ष की ओर से एसपीपी महावीर किशनावत ने कहा कि अभियुक्त ने एक चार साल की मासूम का किडनैप करने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी। यह अपराध जघन्य और दुर्लभतम अपराध है। इसलिए अभियुक्त को फांसी की सजा दी जाए। गौरतलब है कि अदालत ने इस मामले में गत दिनों अभियुक्त सुरेश को मर्डर व रेप का दोषी करार दिया है। मामले के अनुसार परिवादी ने 12 अगस्त को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी बीती राज घर के नजदीक थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। वहीं कुछ देर बाद पुलिस को पास की तलाई में बच्ची का शव मिला था। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा तो रिपोर्ट में हत्या से पूर्व मृतका के साथ दुष्कर्म होने की भी पुष्टि हुई। पुलिस ने 13 अगस्त को सुरेश को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया था।

रिश्वतखोर उपायुक्त ममता रिलीव, कनिष्ठ अभियंता व लेखाधिकारी को निलंबित कर मूल विभाग भेजा

1.10 लाख की घूस के साथ गिरफ्तार आरोपियों पर जेडीसी ने सख्ती दिखाई

जयपुर (कासं)। सिद्धार्थ नगर के 13 भूखंड़ों के पट्टे देने की एवज में 15 लाख रु. की रिश्वत मांगने वाली जेडीए जोन-4 की घूसखोर उपायुक्त ममता यादव को जयपुर विकास आयुक्त गौरव गोयल ने रिलीव कर दिया है। साथ ही उपायुक्त पर अग्रिम कार्यवाही के लिए कार्मिक विभाग को पत्र भी भेजा है। इसके अलावा जेडीए के सहायक प्रशासनिक अधिकारी विजय मीना को निलंबित किया है। जबकि कनिष्ठ अभियंता श्याम मालू और लेखाधिकारी रामतूफान को निलंबित करके मूल विभाग में भेजा है। रिश्वतखोर कम्प्यूटर ऑपरेटर अखिलेश को जेडीए से हटाने और उसे ब्लैक लिस्टेड करने के लिए ठेका फर्म को पत्र लिखा गया है। एसीबी की कार्रवाई के बाद जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने अब उपायुक्तों को आड़े

- **सहा.प्रशासनिक अधिकारी विजय मीणा को निलंबित किया, कम्प्यूटर ऑपटरेटर को ब्लैक लिस्ट कराया**

हाथ लिया है। उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन जुगल किशोर मीणा को साफ कहा है कि ऐसे भी उपायुक्तों की सूची बनाओ, जो पिछले सालभर से एक ही जोन में टिके है। इन सभी उपायुक्तों का जोन बदला जायेगा, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जेडीसी ने बताया कि निदेशक वित्त, अतिरिक्त आयुक्त एलपीसी और सिस्टम एनालिस्ट की कमेटी बनाई गई है, जो कि जांच के लिए जुटेगी।

गौरतलब है कि एसीबी टीम ने सोमवार को जेडीए परिसर से इन पांचों आरोपियों को 1 लाख 10 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया था। उधर एसीबी को उपायुक्त ममता यादव के घर से 1 लाख 45 हजार नकद, जमीनों के कागजात और लॉकर मिला है। जेईएन श्याम मालू के घर से 50 हजार नकद, जमीनों के दस्तावेज मिले हैं। सहायक लेखाधिकारी राम तूफान के घर से 3 लाख 45 हजार रुपए नकद मिले हैं। सहायक प्रशासनिक अधिकारी विजय मीणा के घर 1 लाख नकद और जमीनों के कागजात मिले हैं। संविदा में रखे हुए कम्प्यूटर ऑपरेटर अखिलेश के घर से एसीबी को 2 लाख 50 हजार रुपए नकद मिले हैं। एडीजी एसीबी दिनेश एमएन ने बताया कि एसीबी आगामी दो दिन में परिवादी का जेडीए पट्टा भी बनाने का काम करेगी, ताकि लोगों का मनोबल बढ़े।

पांचों आरोपी एक दिन की पुलिस अभिरक्षा में

जयपुर, (का.सं.)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने पट्टे जारी करने की एवज में रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार जेडीए जोन-4 की उपायुक्त ममता यादव और जेईएन श्याम मालू सहित सभी पांच आरोपियों को एक दिन की पुलिस अभिरक्षा में एसीबी को सौंप दिया है।

एसीबी की ओर से ममता यादव, श्याम मालू, राम तूफान, विजय मीणा और आरोपी अखिलेश को अदालत में पेश किया गया। एसीबी की ओर से कहा गया की आरोपियों से रिश्वत की रकम को लेकर पूछताछ करनी है। इसलिए उन्हें एक दिन के लिए पुलिस अभिरक्षा में दिया जाए। इस पर अदालत ने पांचों आरोपियों को एक दिन की पुलिस अभिरक्षा में एसीबी को सौंप दिया है। गौरतलब है की जवाहर सर्किल स्थित सिद्धार्थ नगर में जमीनों के पट्टे जारी करने के एवज में जेडीए के जोन 4 में रिश्वत का खेल चल रहा था। परिवादी की शिकायत पर एसीबी ने मामले में आरोपियों को एक लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत के साथ ट्रेप किया था।

सार-समाचार

गड्ढ़े में गिरने से युवक की मौत

जयपुर (कासं)। मानसरोवर स्थित वंदे मातरम सर्विस रोड पर बीसलपुर लाइन डालने के लिए खोदे गए गड्ढ़े में गिरने से जीवन विहार, सांगानेर निवासी विनोद सैन (35) गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों ने हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से उसे एसएमएस रैफर कर दिया गया। इलाज के दौरान घायल विनोद सैन ने दम तोड़ दिया। यह हादसा 5 फरवरी को रात 9 बजे हुआ था। मृतक के भाई ओमप्रकाश ने मामला दर्ज कर बताया कि विनोद सैन अपने दोस्त दिलीप सैन के साथ घर से किसी काम से यश सर्किल जा रहा था। रास्ते में अंधेरा होने के कारण उसे गहरा गड्ढ़ा नहीं दिखा और बाइक उसमें गिर गई। इससे विनोद और दिलीप घायल हो गए। विनोद को गंभीर घायल होने की वजह से एसएमएस रैफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पीड़ित ने जेडीए व नगर निगम प्रशासन और ठेकेदार को इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ परिवार की पूरी जिम्मेदारी थी। प्रशासन एवं ठेकेदार की लापरवाही के चलते लोगों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि सड़क पर इतना बड़ा गडढ़ा खोदने के बाद बैरिकेट और लाइट इंडिकेटर तक नहीं लगाया गया। प्रशासन और ठेकेदार की लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली।

छात्रों को नदियों का महत्व बताया

जयपुर । पत्रकारिता के छात्रों को भारतीय नदियों से जोड़ने के महत्व और देश के विभिन्न हिस्सों में इनके किनारों पर स्थित यात्रा स्थलों से अवगत कराने के लिए जयपुर में सक्षम संचार फाउंडेशन ने नर्मदा जयंती के अवसर पर नर्मदा नदी पर बनी फिल्म रेवा का स्क्रीनिंग कार्यक्रम आइनॉक्स जीटी सेंट्रल मॉल में किया। इस फिल्म के माध्यम से छात्रों को इस तथ्य से अवगत कराया गया कि नदियाँ भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा कैसे हो सकती हैं और वे संस्कृति, व्यापार, पर्यटन और व्यवसाय को कैसे बढ़ावा दे सकती हैं। नदियों के किनारे दुनिया में हर जगह सांस्कृतिक व नगर विकसित हुए। लेकिन आज आधुनिक कही जाने वाली संस्कृति नदियों को निगल रही है। इस अवसर पर अनुभवी फिल्म समीक्षक मनु त्रिपाठी ने कहा कि नदियों के महत्व जानने के लिए पत्रकारिता के छात्रों को फिल्म स्क्रीनिंग से जोड़ना मेरा पहला अनुभव है। सामाजिक कार्यकर्ता सुजाता वर्मा ने कहा कि छात्रों को प्रकृति के आशीर्वाद से अवगत कराने के लिए यह सबसे अच्छा प्रयास है। वरिष्ठ पत्रकार अर्चना शर्मा ने संचार संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बार-बार किए जाने चाहिए ताकि छात्र हमारी नदियों, प्राकृतिक संसाधनों के बारे में जान सकें और उनसे जुडी कहानियों को सामने ला सकें। इस मौके पर फाउंडेशन के कोर्डिनेटर रवींद्र नागर, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज कुमार और प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव सहित कई लोग मौजूद रहे।

140 सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण

जयपुर, (कासं)। प्रदेश में पीसीपीएनडीटी एक्ट की प्रभावी पालना के लिए चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को 140 सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत 5 फरवरी से अब तक 446 सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि विशेष सघन निरीक्षण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदेश के सभी जिला नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी एवं उपखण्ड समुचित प्राधिकारियों को अभियान के दौरान सभी अधीनस्थ सोनोग्राफी केन्द्रों के निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। राज्य स्तर से इस अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

राजस्थानी पहली हिंदी फीचर फिल्म "ज्यूडिशियल कस्टडी"

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जल्द होगी रिलीज

जयपुर। यूं तो राजस्थानी फिल्मों का निर्माण होता रहता है, लेकिन राजस्थान सिने जगत में हिन्दी फीचर फिल्म बनाने में प्रोड्यूसर हिचकिचाते हैं। वे अपने नफा नुकसान की लिहाज से हिन्दी फिल्म निर्माण में कम ही रुचि लेते हैं। इसकी वजह भी साफ है। जब लोगों को करोड़ों रुपए की बजट वाली सुपर स्टार्स की हिन्दी फिल्में देखने को मिल रही हैं तो वे कम बजट की राजस्थान के कलाकारों की हिन्दी फिल्म क्यूं देखेंगे।

जयपुर के प्रोड्यूसर तपेश कोटिया ने राजस्थान के कलाकारों को लेकर हिन्दी फीचर फिल्म ज्यूडिशियल कस्टडी का निर्माण कर न सिर्फ एक मिसाल कायम की है, बल्कि इस बात को साबित करने की कोशिश की है कि यदि फिल्म की स्टोरी कंटेंट दमदार हो तो फिर भाषाई धरातल पर पसोपेश की संभावना सिफर हो जाती है। इस फिल्म में कलाकारों से लेकर गीत लेखक, म्यूजिक डायरेक्टर और सिंगर्स समेत फिल्म डायरेक्टर और शूटिंग लोकेशन सब कुछ राजस्थान से ही हैं। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी, डिजिटल सरीखे प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। हाल में प्रोडक्शन हाउस ने इस फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज कर दिया है।

कोटिया ने अपने दृश सिने प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म ज्यूडिशियल कस्टडी बनाई है जो एक ड्रामा जोनर की पारिवारिक फिल्म है। व्यवसायी और फिल्म उत्साही कोटिया ने यह फिल्म उनके खुद के तजुर्बों और हकीकत जिन्दगी की घटनाओं से प्रेरित है। एनएसडी ग्रेजुएट जयरूप जीवन के पटकथा लेखन व निर्देशन से सजी इस फिल्म में एफओआईआई(पुणे) से एक्टिंग के गुर सीखे जयपुर के सौरभ सारस्वत ने मुख्य भूमिका निभाई है।

जेवर, मोबाइल व वाहन चुराने वाले दो बदमाश दबोचे

जयपुर (कासं)। चेन स्नैचिंग, चोरी और नकबजनी के साथ लूट की वारदात करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को विद्याधर नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बैनाड रोड निवासी सुमेर उर्फ पिंटू बावरिया (33) और उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी मुरारी लाल जाटव (24) है। डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख ने बताया कि पुलिस ने इन बदमाशों से लूटी गई 5 सोने की चेन, 4 महंगे मोबाइल फोन और 4 दुपहिया वाहनों के साथ ही 26 हजार रुपए की नकदी भी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी वारदात करने के बाद लोगों द्वारा पीछा करने या पकड़ने का प्रयास करने पर देशी हथियार गुलेल से हमला करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास एक गुलेल और कांच के कंचे बरामद किए है। दोनों बदमाशों के खिलाफ 6-6 अपराधिक मामले पहले से दर्ज है। दोनों बदमाशों ने पिछले दो महीनों में लूट व चोरी की 20 वारदातें की।

यूडी टैक्स के नोटिस मिलने पर ग्रेटर निगम के विरोध में उतरे मुहाना मंडी के व्यापारी

मुहाना मंडी परिसर में व्यापारियों ने मंगलवार को ग्रेटर नगर निगम के विरोध में प्रदर्शन किया।

जयपुर। मुहाना मंडी परिसर में मंगलवार को मुहाना सब्जी मंडी अध्यक्ष राहुल तंवर के नेतृत्व में मंडी के व्यापारियों ने नगर निगम ग्रेटर जयपुर के विरूद्ध विरोध-प्रदर्शन किया।

दरअसल ग्रेटर निगम ने मंडी में दुकानदारों को यूडी टैक्स जमा करवाने का नोटिस थमाया है, इसे लेकर व्यापारियों में नाराजगी व्याप्त है। जयपुर फल-सब्जी थोक विक्रेता संघ मुहाना टर्मिनल के अध्यक्ष राहुल तंवर ने बताया कि मुहाना मंडी कृषि उपज मंडी क्षेत्र में आती है। मंडी परिसर में सभी सुविधाएं कृषि उपज मंडी समिति द्वारा की जाती है। सड़क, पानी, बिजली व साफ सफाई तथा सुरक्षा गार्डों की व्यवस्था कृषि उपज मंडी समिति द्वारा की जाती है। मंडी परिसर नगर निगम के क्षेत्राधिकार में नहीं आती है लेकिन फिर भी मुहाना मंडी के दुकानदारों को यूडी टैक्स के नोटिस दिये गये हैं, जो कि अनुचित है। उन्होंने कहा कि नगर निगम ग्रेटर इस नोटिसों को निरस्त करे, अन्यथा आने वाले दिनों में जन आन्दोलन किया जायेगा।